"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

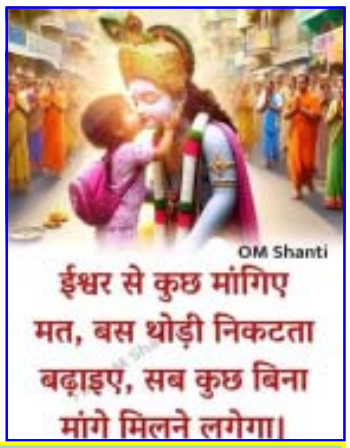

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 16 अंक : 25 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 04 जुलाई से 10 जुलाई, 2024 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

सीएम योगी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, घायलों से मिले, एसडीएम ने जिलाधिकारी को सौंपी रिपोर्ट

लखनऊ। हाथरस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फुल एक्शन में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं हाथरस पहुंचे और यहां उन्होंने अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और फिर सीएम योगी सीधे हाथरस जिला अस्पताल पहुंच गए जहां उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों का हाल चाल जाना और डॉक्टरों को सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। यही नहीं बरसते पानी के बीच सीएम घटनास्थल पर भी पहुंचे, जहां उन्हें अधिकारियों ने पूरा घटना का ब्यौरा दिया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को हाथरस के सिकंदराराऊ में भोले बाबा के सत्संग कार्यक्रम में मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। सीएम योगी ने तुरंत एक्शन लेते हुए तीन मंत्रियों की टीम और मुख्य सचिव व डीजीपी को तत्काल हाथरस के लिए रवाना किया था। यही नहीं, सीएम ने घटना की जांच के लिए एडिशनल डीजी आगरा और मंडलायुक्त अलीगढ़ को नियुक्त किया और 24 घंटे में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीएम ने मृतकों के परिजनों को 2–2 लाख और घायलों को 50–50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का भी ऐलान किया। हादसे के एक दिन बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को हाथरस पहुंचे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ पूरे घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी हासिल की और महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी प्रदान किए। इसके बाद सीएम योगी हाथरस जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से बात की। वो हर एक बेड पर जाकर घायलों से मिले और पूरी घटना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने घायलों से उनकी तबीयत के बारे में पूछा और इलाज के संबंध में भी चर्चा की। सीएम ने घायलों के परिजनों से भी विस्तार से बात की। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से भी घायलों की स्थिति के विषय में जाना और समुचित उपचार के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान सीएम योगी मृतकों के परिजनों से भी मिले और उनके साथ हुए हादसे के बारे में जानकारी ली और साथ ही अपनी ओर से सांत्वना और संवेदना भी प्रकट की। इससे पूर्व सीएम योगी ने पुलिस लाइन में घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से भी मुलाकात कर हादसे के विषय में जानकारी ली। घटना की प्रत्यक्षदर्शी और ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल ने सीएम को पूरी घटना के बारे में बताया। उसने बताया कि भगदड़ मचने के बाद लोग एक–दूसरे के ऊपर गिरते चले गए। खासतौर पर बड़ी संख्या में महिलाएं भगदड़ का शिकार बनीं। वो उठना चाह रही थीं लेकिन उठ नहीं सकीं क्योंकि एक के बाद एक महिलाएं उनके ऊपर गिरती चली गईं। सीएम योगी के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सरकार में मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, असीम अरुण और संदीप सिंह के साथ ही स्थानीय विधायक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद भी मौजूद रहे। घायलों से मिलने के बाद सीएम योगी हाथरस के सिकंदराराऊ में उस स्थान पर भी पहुंचे, जहां मंगलवार को भगदड़ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। सीएम योगी के

साथ तीनों मंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी व स्थानीय विधायक भी मौजूद थे। अलीगढ़ की मंडलायुक्त ने सीएम योगी को हादसे से जुड़ी एक–एक घटना के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बरसते पानी के बीच सीएम योगी ने भगदड़ वाले स्थल का भी जायजा लिया और आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस बीच, हाथरस हादसे पर एसडीएम सिकंदराराऊ ने हाथरस के डीएम को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सत्संग के दौरान पांडाल में 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी। सत्संग खत्म होने के बाद नारायण साकार हरि (भोले बाबा) के दर्शन व चरण स्पर्श एवं आशीर्वाद स्वरूप उनकी चरण रज अपने माथे पर लगाने के लिए लोग आगे बढ़े। श्रद्धालु उनके वाहन की ओर दौड़ने लगे तो बाबा के साथ उनके निजी सुरक्षाकर्मी (ब्लैक कमांडो) एवं सेवादारों ने भीड़ के साथ धक्का–मुक्की शुरू कर दी। इससे कुछ लोग नीचे गिर गए। यहां से भीड़ कार्यक्रम स्थल के सामने खुले खेत की तरफ भागी जहां सड़क से खेत की ओर उतरने के दौरान ढालनुमा जगह होने के कारण लोग फिसलकर गिर पड़े। इसके बाद वो पुनः उठ नहीं सके और भीड़ उनके ऊपर से होकर इधर–उधर भागने लगी। इसमें कई महिलाएं व पुरुष और बच्चे हताहत व गंभीर रूप से घायल हो गए। तत्काल पुलिस सुरक्षाकर्मियों द्वारा हताहत लोगों को एंबुलेंस व अन्य उपस्थित साधनों से घटनास्थल के आसपास स्थित अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजवाया गया।

लोकसभा में पीएम दे रहे थे जवाब, लगने लगे जस्टिस फॉर मणिपुर के नारे, भड़क उठे स्पीकर

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के दौरान लोकसभा में विपक्षी नेताओं ने श्मणिपुर के लिए न्यायश के नारे लगाए, जिस पर स्पीकर ओम बिरला ने कड़ी फटकार लगाई। विपक्षी नेता लोकसभा में मणिपुर हिंसा, एनईईटी विवाद और कई अन्य मुद्दों पर बहस की मांग कर रहे हैं। मणिपुर पिछले साल मई से ही उबाल पर है क्योंकि घाटी के प्रभुत्व वाले मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में कुकी आदिवासियों द्वारा आयोजित एक मार्च के बाद राज्य में जातीय हिंसा भड़क उठी थी। इंडिया ब्लॉक के सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच विपक्ष और कांग्रेस के राहुल गांधी पर तीखे प्रहारों से भरे भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने शतुष्टिकरणश नहीं बल्कि

शसंतुष्टिकरणश का पालन किया है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि देश ने भ्रष्टाचार के प्रति शून्य–सहिष्णुता की नीति के लिए एनडीए को वोट दिया और अपने तीसरे कार्यकाल के एजेंडे – 2047 तक शविकसित भारतश की रूपरेखा तैयार की, जिसके लिए उन्होंने 24•7 काम करेगा। जैसे ही पीएम मोदी ने बोलना शुरू किया, विपक्षी सदस्यों ने श्मणिपुर के लिए न्यायश के नारे लगाने शुरू कर दिए और विरोध करते हुए सदन के वेल में आ गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदस्यों को वेल में आने का निर्देश देने के लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी को डांटते देखा गया। नारों से बेपरवाह प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा और अपने 10 साल के शासन की तुलना यूपीए काल से की। उन्होंने सत्ता पक्ष की मेज थपथपाहट के बीच कहा, श्कांग्रेस के लिए लोगों का जनादेश है कि वह जहां है, वहीं विपक्ष में बैठे।

सिद्धू मूसेवाला के बाद लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान खान की करनी थी हत्या, पाकिस्तान से आने थे हथियार; चार्जशीट में बड़ा खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। पनवेल पुलिस की ओर से दाखिल की गई चार्जशीट में इस बात के संकेत मिले हैं कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग सिद्धू मूसेवाला की तरह सलमान खान की भी हत्या करना चाहती थी। नवी मुंबई पुलिस के अनुसार, अभिनेता सलमान खान की हत्या के प्रयास के मामले की जांच कर रही नवी मुंबई पुलिस ने इस मामले में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपी पाकिस्तान से एके–47 राइफल, एके–92 राइफल और एम–16 राइफल खरीदने की तैयारी कर रहे थे और जिगाना पिस्तौल भी जिससे पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी। नवी मुंबई पुलिस का कहना है कि बिश्नोई गिरोह ने अभिनेता की हत्या के लिए 25 लाख रुपये की सुपारी देने की घोषणा की थी। खास बात है कि पुलिस की तरफ से बीते सप्ताह दाखिल चार्जशीट में हमले की योजना और बचकर भागने के रास्ते शामिल हैं।

भोजपुरी कजरी लोक गीत जीयरा में हिलोर

जीयरा में उठेला हिलोर हो,
काहे हमके भूल गइला सजना।

सावन के महीना पिया झर झर बरसे।
रहिया जोहत पिया नयन मोर तरसे।
बिरहीन के हीया कईला सुल हो।
काहे हमके भूल.....।

कारे कारे बदरा भिंजावे मोर अंचरा।
बरसत नैना रोई धोवावे मोर कजरा।
झनकत पायल गइल खुल हो।
काहे हमके भूल .....।

बैरी पवनवा नाजुक बदनवा कपावेला।
निर्मोही बलमुआ लौटी अंगनवा ना आवेला।
जईसे बुझाला गूलर फूल भईला सजना।
काहे हमके भूल.....।

आधी आधी रतिया चिहुंक उठी सेजिया।
बिजुरिया बेदर्दी चमक उठे पजिया।
गुजरिया बिना कोकाकोला कुल भइला सजना।
काहे हमके भूल गइला सजना।
जीयरा में उठेला हिलोर हो।

गीतकार
श्याम कुंवर भारती (राजभर)
बोकारो, झारखंड

युधिष्ठिर को अक्षय पात्र कैसे प्राप्त हुआ?

कैसे और किससे प्राप्त हुआ युधिष्ठिर को अक्षय पात्र..

अक्षय पात्र को जानने से पहले अक्षय को समझें। अक्षय का अर्थ होता है जिसका कभी छय ना हो यानी नाश न हो। जो कभी खत्म नहीं किया जा सकता यानी अविनाशी। अक्षय पात्र एक ऐसा पात्र होता है, जिसमें कभी भी अन्न या जल समाप्त नहीं होता। जब भी भोज्य पदार्थ निकाला जाए तो मनचाही भोज्य वस्तु निकलती है। पौराणिक समय में ऋषि मुनियों के पास ऐसा पात्र हुआ करता था। माना जाता है, अभी भी हिमालय एवं नीलगिरी के साधुओं के पास ऐसा पात्र होता है। यह पात्र सूर्य देव के आशीर्वाद से ही प्राप्त होता है।

महाभारत के अरण्य पर्व के अनुसार, युधिष्ठिर को अक्षय पात्र वरदान स्वरुप सूर्य देव से मिला था। सूर्य देव ने युधिष्ठिर को अक्षय पात्र, अक्षय तृतीया के दिन युधिष्ठिर की भक्ति से प्रसन्न होकर प्रदान किया था।

जब युधिष्ठिर अपने चारों भाइयों एवं भार्या द्रोपदी सहित वनवास कर रहे थे। उसे समय भ्रमणशील साधु संत उनसे मिलने आया करते थे। वह जानते थे, धर्मराज हमें भूखा एवं कष्ट में नहीं रखेंगे। वह हमारा आतिथ्य करेंगे। इसी भाव से साधु सन्यासी संत सभी पांडवों की कुटिया में आते थे।

परंतु वन में इतने लोगों के लिए भोजन सदैव बना कर रखना कठिन कार्य था। एक बार धर्मराज युधिष्ठिर के पुरोहित महर्षि धौम्य अपने शिष्यों सहित उनकी कुटिया में आए। तब युधिष्ठिर ने उनसे विनम्रता पूर्वक पूछा, "महाराज! आखिर इसका समाधान क्या हो? कि मैं हजारों साधु संन्यासियों को प्रतिदिन भोजन भी करवा सकूं और इस वीरान जंगल में मुझे भोज्य पदार्थ भी मिल जाए।" तब पुरोहित धौम्य ने उन्हें अक्षय पात्र के बारे में बताया।

महर्षि धौम्य के बताए अनुसार, युधिष्ठिर ने सूर्य देव के 108 नाम का जाप करते हुए सूर्य देव की आराधना की। अंततः उनकी आस्था, श्रद्धा, भक्ति और तपस्या से भगवान सूर्य प्रसन्न होकर युधिष्ठिर के पास प्रकट हुए। प्रकट होकर सूर्य देव ने युधिष्ठिर से पूछा, "हे धर्मराज! इस पूजा अर्चना का आशय क्या है?" तब युधिष्ठिर ने हाथ जोड़कर सूर्य देव से कहा, "हमारी कुटिया में प्रतिदिन इतने सारे साधु सन्यासी संत जन आते हैं। मैं अपने परिवार सहित जंगल में विहार करता हूं। इतने सारे लोगों के लिए भोज्य पदार्थ एकत्रित करना और सदैव पका हुआ भोजन तैयार कठिन हो जाता है। कभी कभार तो केवल फल इत्यादि से ही साधुओं का पेट भर पाता हूं। जिससे मुझे ग्लानि का भाव आता है। इसी के समाधान हेतु मैंने यह पूजा अर्चना की है। कृपया कर भगवान मेरी मांग पूर्ण करें।"

तब सूर्य देव ने एक तांबे का पात्र युधिष्ठिर के हाथ में रख दिया और कहा, "हे युधिष्ठिर! तुम मेरे लिए पुत्र तुल्य हो। मैं तुम्हारी कामना पूर्ण करता हूं। यह अक्षय पात्र है। 12 वर्ष तक मैं तुम्हें इसी पात्र से अन्न दान करूंगा। तुम्हारे पास अन्न, फल, शाक आदि चार प्रकार की भोजन सामग्रियां तब तक अक्षय रहेगी, जब तक द्रौपदी भोजन प्राप्त नहीं करेगी। इस अक्षय पत्र से सामग्रियां तब तक ही अक्षय रहेगी जब तक द्रौपदी परोसती रहेगी। इस अक्षय पात्र को पकड़ युधिष्ठिर बड़े ही प्रसन्न हुए। हाथ जोड़कर सूर्य देव को प्रणाम कर धन्यवाद किया।

आपका दिन शुभ और मंगलमय हो

वयोवृद्ध समाज सेवी राजाराम शर्मा फिल्मी हस्तियों द्वारा सम्मानित

मुंबई। मुलुंड के वरिष्ठ, वयोवृद्ध समाज सेवक राजाराम शर्मा के 95वें जन्म दिवस पर उनके आवास पर बधाई देने पहुंचे फिल्म अभिनेता गोविंद नामदेव, वरिष्ठ समाज सेवक डॉ.बाबुलाल सिंह, डी.एन.जोशी (फिल्म निर्माता), हृदयेश कांबले (फिल्म निर्देशक),उत्तर भारतीय सेल महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव डॉ.सचिन सिंह, सचिव शरीफ खान, श्रीमती सुधा नामदेव, योगेन्द्र श्रीवास्तव (फिल्म निर्माता), बिपीन जोशी (पत्रकार), सुनीता श्रीवास्तव, सुप्रसिद्ध कवियत्री प्रभा शर्मा, प्रदीप शर्मा, श्रीमती प्रतिभा,श्रीमती भारती, मनोज, राजेश, अवनी शर्मा, प्राची, प्रिया शर्मा एवम परिवार जनों ने शाल पुष्प गुच्छ एवम भेंट वस्तु प्रदान कर राजाराम शर्मा जी को शतायु होने के लिये शुभकामनायें प्रदान किया।

शीर्षकः फूलों का रंग
विषयः कविता

फूलों का रंग लाल होता है।
खुशबू का रंग नही होता है।
बागो का रंग हरा होता है।
पर मोहब्बत का रंग नही होता।।

दिल का रंग लाल होता है।
करने वालों का रंग नही होता।
प्रेम दिवस का रंग लाल होता है।
लेकिन प्यार का रंग नही होता।।

जो करते है मोहब्बत को यारो।
उन्हें रंग का एहसास नही होता।
जिन्हें रंग से मतलब होता है।
उन्हें मोहब्बत नसीब नही होता।।

प्यार का रंग दिल पे चढ़ता है।
नशा प्यार में बहुत होता है।
जो आँखो में ही झलाकता है।
इसलिए आँखो आँखो में होता है।।

दिन रात फूलों में उलझे रहते है।
फूलों की कहानी खुद लिखते है।
और खुदको फूल भी कहते है।
जो खुदको देकर मोहब्बत करते है।।

जय जिनेंद्र

संजय जैन बीना मुंबई

पर्यावरण के रंग

आज अगर कवि कहता चितेरे से
चितेरे बना दे मेरे लिए चित्र बना दे
पहले सागर आंक विस्तीर्ण,प्रगाढ़ नीला
लेकिन चितेरे की तूलिका को दिखता है
मटमैला समुद्र चारों ओर से गिरती गंदगियों को अपने में समेटे अपनी छाती को कुचलते भारी भरकम जहाज के दबाव को झेलते
अपने तन मन को बचाने के लिए संघर्ष करता समुद्र फिर कवि कहता आंक एक उछलती हुई मछली लेकिन मछली कहां उछलकूद करेगी
प्रदूषित समुद्र तट के जहरीले वातावरण में
मछली अपना तैरना उछालना भूल गई
पड़ी है तट पर बेजान मरी हुई मछली
चितेरे त तू कहां से लाएगा प्राणों में वह उत्कट जिजीविषा
वो आह्लाद वो अनन्त का नीला आकाश
लहराता समुद्र , अठखेलिया करती मछलियां
तुझे तो इस रंग उड़ी दुनिया में ही जीना होगा
खोजते हुए इन सबको

डॉ कनक लता तिवारी

ग़ज़ल

आज से मेरा दिल भी तेरा है
तेरे बिन ये जहाँ अँधेरा है

तू न हो तो नहीं है चौन मुझे
तू मेरी शाम है सबेरा है

लूट कर ले गया जो नींद मेरी
तू ही तो वो हँसी लुटेरा है

बोझ कितने उठाए फिरता है
तू बड़ा प्यारा सा कमेरा है

ये कनक नैनों में बसा मेरे
कौन से देश का चितेरा है

डॉ कनक लता तिवारी

"माना कि मानव जीवन के लिए जल बहुमूल्य है; और हरेक व्यक्ति के शरीर की सफाई के लिए जरूरी भी... मगर ये किसी की उम्मीदों को साफ न कर दे"!!!

अपने जीवन की उम्मीदों को पूरा करने के लिए, दूसरों पर नज़र रखने और उनके **दोष देखने से कई गुणा बेहतर है, खुद का चरित्र सुधारना।।।**

कहते हैं कि दूसरों को सुधारने की ठेकेदारी लेने के बजाय, "सिर्फ खुद को सुधारने की ठेकेदारी लो" तो, ये संसार अपने आप ही सुधर जाएगा।।।

ध्यान रहे कि बीज को फसल, पौधा, पेड़ आदि बनने के लिए वक्त लगना स्वाभाविक ही है ... इसलिए, अपेक्षित मुकाम हासिल करने की मेहनत शुरू करने के बाद, थक कर, मेहनत करना क्यों छोड़ देते हो!!?

ओम शांति

कलयुग का अन्त ऐसे होगा

इंसान पूरी तरह नरभक्षी हो जाएंगे और चारों और बस अधर्म और पाप का बोलबाला रहेगा। तब भगवान नारायण के दसवें अवतार कन्कि का जन्म होगा। भगवान कल्कि केवल 3 दिनों के भीतर सारी पृथ्वी से पापियों का विनाश कर पृथ्वी को पाप मुक्त करेंगे और धर्म की पुन: स्थापना करेंगे। फिर लगातार 12 वर्षों तक पृथ्वी पर मुसलाधार बारिश होगी, जिससे मारी पृथ्वी जलमग्न हो जाएगी 12 वर्ष के बाद जब दरिश रुक जाएगी तब आसमान में एक साथ 12 सूर्यों का उदय होगा। तब एक नई भूमि और एक नए युग का निर्माण होगा, जिसे सतयुग कहा जाएगा।

गुरुपूर्णिमा निमित्त मुफ्त नोटबुक वितरण का आयोजन

परम पूज्य संत श्री आशाराम बापूजी के पावन प्रेरणा से श्री योगवेदांत सेवा समिती (मुलुंड) द्वारा मुलुंड पश्चिम उपनगर मे गुरुपूर्णिमा निमित्त मुफ्त नोटबुक वितरण का आयोजन किया गया। इस पावन सेवा कार्य में पूज्य बापूजी के साधक भाई एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इस वर्ष मार्च 2024 के कक्षा दसवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया तथा उन्हें मुफ्त नोटबुक वितरण किया गया ।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण निम्नलिखित है,

प्रथम स्थान – नील मधुकर गुंजल (94.80%)

द्वितीय स्थान– सन्वी सैलेश वारंग (94.20%)

तृतीय स्थान– आदित्य हरिद्वार यादव (81.60%)

श्री योगवेदांत सेवा समितीमुलुंड एवं समस्त साधक परिवार, इन सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

तनहाई में बैठा था एक दिन

तनहाई में बैठा था एक दिन अपने मकान में
चिड़िया बना रही थी घोंसला उसी के रोशनदान में
पल भर में आई और पल भर में जाती थी वोह
छोटे–छोटे तिनके चोंच में भरकर लाती वोह
बना रही थी वोह अपना घर एक न्यारा
बस तिनका था ना कोई ईट न कोई गारा
कुछ दिन बाद मौसम बदला हवा के झोंके आने लगे
नन्हे नन्हे से बच्चे घोसले में चह चहाने लगे
पंख निकल रहे थे दोनों के पाल रही थी चिड़िया उन्हें
पैरों पर करती खड़ा उड़ना भी सिखाती थीं उन्हें
देखा था हर रोज उन्हें जज्बात मेरे उनसे कुछ जुड़ गए

विनोद ओबेरॉय

बोझ है बवाल है।
यह बड़ा सवाल है।।

जिंदगी तो चल रही।
बहुत बुरा हाल है।।

वक्त जो गुजर रहा है।
वही महाकाल है।।

झूठ जंग जीत गया।
यही तो कमाल है।।

देखते हम रह गए।
वक्त भी हलाल है।।

सियासत तो हर समय।
चलती बड़ी चाल है।।

किस्मत तो फूट गई।
अब बड़ा धमाल है।।

शांति यहाँ आनी थी।
आ गया भूचाल है।।

झूठ जो परोसता है।
वही तो दलाल है।।

–अन्वेषी

श्री आशारामजी बापू के साधक समिति द्वारा मुलुंड पश्चिम उपनगर मे प्रभात फेरी निकाली गई

परम पूज्य संत श्री आशारामजी बापू के साधक समिति द्वारा मुलुंड पश्चिम उपनगर मे प्रभात फेरी निकाली गई। मुलुंड साधक परिवार द्वारा प्रत्येक रविवार को इसी प्रकार से प्रभात फेरी एवं भगवन्नाम संकीर्तन यात्रा निकाली जाती है। प्रभात फेरी की बड़ी भारी महिमा है, इसमे भगवन्नाम जप तथा संकीर्तन करने से वातावरण पवित्र एवं भक्तिमय हो जाता है। वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह अत्यंत लाभदायक है, सुबह–सुबह शांत और प्रदूषण रहित वातावरण में पैदल चलने से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है। अतः ऐसी प्रभात फेरियां अन्य स्थानों पर भी निकालनी चाहिए।

सम्पादकीय...

बांस तोड़ेगा जलवायु परिवर्तन का कुचक्र, इस आस का यह है आधार

जलवायु परिवर्तन सबसे गंभीर वैश्विक मुद्दों में से एक है, जो दुनिया भर के पारिस्थितिकी तंत्र, अर्थव्यवस्थाओं और समुदायों को प्रभावित कर रहा है। जैसे–जैसे विभिन्न देश कार्बन उत्सर्जन को कम करने और कार्बन पृथक्करण बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, बांस एक आशाजनक समाधान के रूप में उभर रहा है। अपनी तीव्र वृद्धि, उच्च बायोमास उत्पादन और कार्बन पृथक्करण क्षमताओं के कारण बांस जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने का अवसर दे सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि बांस पारंपरिक पेड़ों की तुलना में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह कार्बन पौधे के तने, पत्तियों और जड़ों सहित बायोमास में जमा होता है। इसके अतिरिक्त, बांस की व्यापक जड़ प्रणाली मिट्टी को स्थिर करने और कटाव को रोकने में मदद करती है, जिससे कार्बन के प्राकृतिक भंडारण में भी मदद मिलती है। बांस का उच्च बायोमास उत्पादन जलवायु परिवर्तन के शमन का महत्वपूर्ण कारक है। यह बड़ी मात्रा में कार्बनिक पदार्थ का उत्पादन करता है, जिसका उपयोग बायोएनर्जी सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। बांस के बायोमास को बायोचार में परिवर्तित किया जा सकता है, जो चारकोल का एक रूप है, और सैकड़ों वर्षों तक कार्बन को वायुमंडल से अलग कर सकता है। बांस लकड़ी का एक स्थायी विकल्प प्रदान करता है। इसकी कटाई के बाद इसे दोबारा लगाने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि अपनी जड़ से यह दोबारा उगता है। बांस पारंपरिक वनों पर दबाव भी कम करता है और इस तरह वन और जल संरक्षण में योगदान देता है। दुनिया भर में बांस के जंगल लगभग 3.15 करोड़ हेक्टेयर में फैले हुए हैं। चीन, भारत और म्यांमार प्रमुख बांस उत्पादक देश हैं। कई वैश्विक पहलें जलवायु परिवर्तन के शमन में बांस की भूमिका पर जोर देती हैं। इथियोपिया और घाना जैसे देश अपने पुनर्वनीकरण और भूमि बहाली प्रयासों के तहत बांस की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। कोलंबिया और इक्वाडोर जैसे देश सतत विकास और जलवायु लचीलेपन के लिए बांस को अपनी राष्ट्रीय रणनीतियों में शामिल कर रहे हैं। चीन ने भी जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए बांस की खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया है। भारत दुनिया के सबसे बड़े बांस उत्पादकों में से एक है, जहां लगभग 1.4 करोड़ हेक्टेयर बांस के जंगल हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में देश के बांस संसाधनों का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा है। केंद्र सरकार के बांस मिशन का उद्देश्य बांस की खेती और इसके टिकाऊ उपयोग को बढ़ावा देना है। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि भारत में बांस के जंगल प्रति वर्ष लगभग 12 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह आंकड़ा भारत के जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में बांस के संभावित योगदान को दर्शाता है। राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) ग्रामीण समुदायों की आजीविका बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए गैर–वन क्षेत्रों में बांस की खेती को बढ़ावा देता है। विभिन्न राज्य सरकारों ने बांस की खेती और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं। बांस की खेती और प्रबंधन के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अतिरिक्त, बांस के कार्बन पृथक्करण को मापने के लिए मानकीकृत पद्धतियों की कमी इसके जलवायु लाभों के मूल्यांकन को जटिल बनाती है। बांस के पारिस्थितिक और आर्थिक लाभों को बेहतर ढंग से समझने के लिए अनुसंधान में निवेश करना, बांस की खेती, उपयोग और व्यापार को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाना, प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों और हितधारकों की क्षमता को बढ़ाना और बांस उत्पादों के लिए बाजार बनाना और विस्तार करना जरूरी है। बांस जलवायु परिवर्तन के शमन के लिए आशाजनक समाधान प्रस्तुत करता है। यह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में एक मूल्यवान संसाधन है। सरकारों, अनुसंधान संस्थानों और समुदायों के ठोस प्रयासों से बांस सतत विकास को बढ़ावा देते हुए वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकता है। बांस की क्षमता का उपयोग करके हम एक हरित जलवायु–प्रिय भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

अखिलेश जीत से अहंकार नहीं पालें, बीजेपी के हश्र से लें सबक

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के हौसले इस समय काफी बुलंद हैं। उनकी पार्टी ने यूपी की 80 में से 37 सीटों पर जीत हासिल की है। इसी के बाद वह यूपी में 2014 के लोकसभा चुनाव में 71 और 2019 में 62 और अबकी 2024 में 33 सीटें एवं यूपी विधानसभा चुनाव 2017 में 312 तथा 2022 में 273 सीटें जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी पर लगातार हमलावर हैं। ऐसा होना स्वभाविक भी है, उन्हें (अखिलेश यादव) अपने नेतृत्व में पहली बार लोकसभा चुनाव में 37 सीटों पर जीत का स्वाद चखने को मिला है। इससे पहले अखिलेश की जीत रिकार्ड ना के बराबर था। वह समाजवादी पार्टी की बागडोर संभालने के बाद लगातार जीत के लिये तरस रहे थे। 2012 के विधानसभा चुनाव, जो समाजवादी पार्टी द्वारा मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में लड़े गये थे गये थे, उसमें समाजवादी पार्टी को बहुमत हासिल हुआ था, लेकिन चुनाव जीतने के बाद मुलायम ने अपनी जगह बेटे अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया था, जिसका लेकर पार्टी में मनमुटाव भी देखने को मिला था। तब से लेकर आज तक समाजवादी पार्टी यूपी से लेकर दिल्ली तक के चुनाव में अपनी पैठ नहीं बना पाई थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा को यूपी की 80 सीटों में से मात्र 05 सीटों पर एवं 2019 में सीटों पर जीत हासिल हुई थी। सपा ने 2019 का लोकसभा चुनाव बसपा के साथ मिलकर और अबकी 2024 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था। वहीं 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव जो उसने कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था उसमें सपा को मात्र 47 सीटों पर संतोष करना पड़ा था और 2022 में भी बहुत अच्छा करने के बाद भी 125 सीटों पर उसकी जीत का आकड़ा ठहर गया था। लब्बोलुआब यह है कि अखिलेश को सपा का नेतृत्व संभाले दस वर्ष हो चुके हैं। इन दस वर्षो में सपा को चार बड़ी हार और कई छोटी–छोटी हार का भी सामना करना पड़ा था। दस वर्षो के बाद पहली बार 2024 के आम चुनाव में में उनकी पार्टी की जीत का ग्राफ बढ़ा जरूर है, लेकिन यह बढ़त इतनी नहीं थी, जितना सपा प्रमुख द्वारा प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है। भाजपा की यूपी में चार सीटें ही समाजवादी पार्टी से कम आई हैं और इसकी वजह बीजेपी के प्रति जनता की नाराजगी से अधिक उसके (बीजेपी) भीतर की खींचतान थी। बहरहाल, अखिलेश अपने हिसाब से राजनीति करने के लिये स्वतंत्र हैं,लेकिन उनका अहंकार उचित नहीं है। जीत की खुशी में किसी धर्म का मजाक नहीं उड़ाया जा सकता है। दुखद यह है कि अखिलेश यादव जाने–अंजाने ऐसा कर रहे हैं, जिस तरह मुलायम सिंह ने सत्ता में रहते कारसेवकों पर गोली चलाई और फिर इसके महिमामंडित किया था, उसी तरह से आज अखिलेश यादव अयोध्या से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी की जीत के बाद कर रहे हैं। इसके लिये वह सीधे तौर पर तो कुछ नहीं करते हैं, लेकिन उनके संकेत की राजनीति का यही निचोड़ नजर आता है कि आज भी समाजवादी पार्टी प्रभु श्रीराम की विरोधी है। यहां तक की संसद में भी अखिलेश ऐसा ही कर रहे हैं। 18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने सदन में बोलते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला, इसमे किसी को आपत्ति भी नहीं थी। अखिलेश ने पेपर लीक मुद्दा, अयोध्या, जाति जनगणना, एमएसपी, ओपीएस, अग्निवीर योजना जैसे कई मुद्दों के सहारे बीजेपी सरकार को घेरा तो यूपी का जिक्र करते हुए कहा कि जुमला बनाने वालों से विश्वास उठ गया। सपा प्रमुख ने पेपर लीक मामले को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। कहा कि यूपी में परीक्षा माफिया का जन्म हुआ है। पेपर लीक मुद्दे पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, श्श्पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? सच तो यह है कि सरकार ऐसा इसलिए कर रही है ताकि उसे युवाओं को नौकरी न देनी पड़े। वहीं ईवीएम पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, श्श्ईवीएम पर मुझे कल भी भरोसा नहीं था, आज भी नहीं है भरोसा, मैं 80 में 80 सीटें जीत जाऊं तब भी नहीं भरोसा होगा। वह बोले ईवीएम का मुद्दा खत्म नहीं हुआ है। अखिलेश कहते हैं कि यहां हारी हुई सरकार विराजमान है। ये चलने वाली नहीं गिरने वाली सरकार है। आवाम ने हुकूमत का गुरूर तोड़ा जनता कह रही, सरकार गिरने वाली है। संविधान रक्षकों की जीत हुई है। अखिलेश ने कहा, श्श्देश के सभी समझदार और ईमानदार मतदाताओं को धन्यवाद जिन्होंने देश के लोकतंत्र को एकतंत्र बनाने से रोका। आवाम ने तोड़ दिया हुकुमत का गुरुर, दरबार तो लगा है पर बड़ा गमगीन बेनूर। सपा प्रमुख ने कहा, श्श्कहने को यह सरकार कहती है कि ये फिफ्थ लार्जेस्ट इकोनॉमी बन गई है, लेकिन यह सरकार क्यों छुपाती है हमारे देश की पर कैपिटल इनकम किस स्थान पर पहुंची है? वर्ल्ड हंगर इंडेक्स पर कहां खड़े हैं, नीचे से कहां है? मगर जब अखिलेश से राहुल गांधी के हिन्दुओं को हिंसक बताये जाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया मांगी जाती है तो वह इधर–उधर की बात करने लगते हैं। खैर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बातों में दम तो लगता है, लेकिन वह यह नहीं याद रखते हैं कि समाजवादी पार्टी में किस तरह से नकल माफिया सक्रिय रहते थे। सरकारी नौकरियां निकलने से पहले इनकी भर्ती के लिये सौदा हो जाता था। दबंग समाजवादी नेता कैसे थानों थानों पर 'कब्जा' कर लेते थे। सरकारी टेंडर के लिये कैसे खून–खराबा होता था। भू माफिया किस तरह से जमीनों पर कब्जा कर लेते थे। लड़कियों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया था। कानून व्यवस्था के नाम पर जंगलराज फैल गया था। इसी को मुद्दा बनाकर बीजेपी ने 2017 के विधान सभा चुनाव में सत्ता से उखाड़ कर फेंक दिया था। अखिलेश पर हिन्दुओं को दलित, ओबीसी के नाम पर बांटने पर भी आरोप लगता रहता है, परंतु वह इस पर कुछ नहीं बोलते हैं। वह यह भी नहीं बताते हैं कि पूर्व सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव जिस कांग्रेस से हमेशा दूरी बनाकर चलते थे,उससे उन्होंने कैसे हाथ मिला लिया। अच्छा होता कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव आम चुनाव में मिली जीत से आनंदित होते, लेकिन वह आनंदित से अधिक अहंकार में डूबे ज्यादा नजर आ रहे हैं, जबकि वह अहंकार में डूबी बीजेपी का हश्र देख चुके हैं।

जयपुर के इस मंदिर में विराजमान हुए थे गोविंद देव जी, जानें इसके पीछे जुड़ी कई मान्यताएं

जयपुर में एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक इमारतें, किलों और महलों के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। हालांकि, यहां पर मंदिर भी काफी प्राचीन और फेमस है। बता दें कि, ऐसा ही फेमस मंदिर जयपुर के आमेर ही कनक घाटी में स्थित श्री राधा माधव जी का विशाल मंदिर है जो 17वीं सदी से पहले का बना हुआ है। इस मंदिर में जयपुर के आराध्य देव माने जाने वाले गोविंद देव जी यहां स्थापित किया गया था उसके बाद सिटी पैलेस में उनके लिए भव्य मंदिर बनवाया गया। दरअसल, आमरे की

पहाड़ियों में बनी सुंदर कनक घाटी को कनक वृन्दावन के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर एक सुंदर बाग और नटवर लाल का मंदिर भी बना हुआ है।

17वीं शताब्दी में निर्माण हुआ यह मंदिर

इस मंदिर के पुजारी और यहां के स्थानीय लोगों के साथ ही इतिहास प्रमाणों के अनुसार जयपुर नगर के संस्थापक सवाई जयसिंह ने कनक घाटी को कनक वृन्दावन नाम दिया। वहीं, विक्रम संवत् 1714 में इस मंदिर में भगवान देव जी की प्रतिमा वृन्दावन से लाकर यहां स्थापित किया था। इसके साथ ही भगवान गोविंद देव वृन्दावन के प्रधान ठाकुर कहलाते हैं, इस वजह से मंदिर का नाम राधा माधव मंदिर पढ़ा। दूर–दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

सुंदर वास्तुकला से बना हुआ है यह मंदिर

सबसे पहले इस मंदिर को छोटे महल के रूप में तैयार किया गया था, जिसका निर्माण 1707 ई.वी में किया गया था। इस मंदिर में श्री राधा माधव जी का कक्ष और सुंदर बरामदा, मंदिर के चारों और बड़े आकार की छतरियां बनी हुई जो बेहद सुंदर हैं। इस मंदिर में जयपुर घूमने वाले पर्यटक सबसे ज्यादा आते हैं। बता दें कि, मंदिर सिर्फ सुबह–शाम ही खुलता हैं और दिन के समय मंदिर बंद रहता है। वहीं पास में सुंदर बाग बना हुआ है, जो प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगाता है। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा आते हैं।

दिल्ली महिला आयोग में 6 महीने से किसी को सैलरी नहींज्बजट भी किया कम, स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल को लिखा पत्र

नई दिल्ली । दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री केजरीवाल को पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं। मालीवाल ने अपने पत्र में लिखा है कि जबसे उन्होंने डीसीडब्ल्यू की अध्यक्षता छोड़ी है तबसे आयोग के साथ भेदभाव किया जा रहा है। मालीवाल ने कहा है कि पिछले 6 महीने से आयोग के किसी भी सदस्य को सैलरी नहीं दी गई है और इसका बजट भी कम कर दिया गया है। स्वाति मालीवाल ने इस पत्र की जानकारी खुद अपने एक्स हैंडल से दी है।दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद राज्यसभा सांसद बनी स्वाति मालीवाल ने अपने ट्वीट के जरिए दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। स्वाति मालीवाल ने अपने पोस्ट में लिखा, श्मैंने जब से दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है, तब से दिल्ली सरकार के मंत्रियों और अफसरों ने आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पिछले 6 महीने से किसी को सैलेरी नहीं दी गई है और बजट को भी 28.5 प्रतिशत कम कर दिया है।य उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि अध्यक्ष और 2 मेम्बर की पोस्ट भरने के लिए भी कोई काम नहीं किया गया है।

05 जुलाई को किया जाएगा आषाढ़ अमावस्या का व्रत, पितरों के तर्पण के लिए खास है यह तिथि

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। वहीं आषाढ़ माह में पड़ने वाली अमावस्या को धार्मिक रूप से

बेहद खास माना गया है। इस साल 05 जुलाई 2024 को आषाढ़ की अमावस्या पड़ रही है। इस दिन स्नान–दान और पूजा–पाठ का विशेष महत्व होता है। मान्यता के अनुसार, हर महीने की अमावस्या तिथि को पितर अपने परिजनों को देखने के लिए धरती पर आते हैं। ऐसे में यदि पितरों के नाम पर दान–पुण्य किया जाता है, तो पितर खुश होते हैं और अपने परिजनों को शुभ फल व आशीर्वाद मिलता है। आपको बता दें कि धार्मिक शास्त्रों में पितर अमावस्घ्या की तरह ही आषाढ़ अमावस्घ्या को भी खास माना गया है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको आषाढ़ अमावस्या के बारे में विस्तार से जानकारी देने जा रहे हैं और साथ ही कुछ खास बातें भी जानेंगे।

आषाढ़ अमावस्घ्या

हिंदू पंचांग के मुताबिक 5 जुलाई शुक्रवार को सुबह 04रू57 मिनट से लेकर अगले दिन 6 जुलाई को सुबह 04रू26 मिनट तक आषाढ़ अमावस्या रहेगी। वहीं उदयातिथि के हिसाब से 05 जुलाई 2024 को आषाढ़ अमावस्या का व्रत किया जाएगा।

आषाढ़ अमावस्घ्या का महत्व

धार्मिक शास्त्रों में आषाढ़ अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि कर पितरों का तर्पण करना चाहिए। फिर पितरों के नाम पर दान–पुण्य करें। इस दिन जरूरतमंद व गरीब लोगों को वस्त्र और अनाज का दान दें। वहीं पितरों का तर्पण करने के लिए काले तिल, कुश और सफेद फूल का इस्तेमाल करना चाहिए। आषाढ़ अमावस्या के मौके पर शाम को पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाकर परिवार के सुख–समृद्धि की कामना करनी चाहिए। क्योंकि माना जाता है कि पीपल के पेड़ में पितरों का वास होता है। साथ ही इस मौके पर शाम को दक्षिण दिशा में सरसों के तेल का दीपक जलाकर रखना चाहिए। अमावस्या के दिन आटे का दान करना शुभ होता है और इस दिन चीनी व नमक का दान भी देना चाहिए।

क्या न करें

शास्त्घ्त्रों में अमावस्या तिथि को बहुत ही नियम संयम का पालन करने वाला दिन माना जाता है। इस दिन भूलकर भी बड़े–बुजुर्गों का अपमान न करें और किसी के साथ विवाद में पड़ने से बचना चाहिए। अमावस्या तिथि पर मांस–मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए वहीं अमावस्या तिथि पर यदि कोई भिक्षुक दरवाजे पर आ जाए, तो उसे खाली हाथ नहीं जाने देना चाहिए।

कलियुग के अंत में यूपी के इस गांव में जन्म लेंगे भगवान कल्कि, जानिए स्कंद पुराण की ये भविष्यवाणियां

धार्मिक पुराण में भविष्य के बारे में कई भविष्यवाणियां की गई हैं। ऐसे ही धार्मिक पुराण स्कंदपुराण के मुताबिक कलियुग के आखिरी में जब धरती पर पाप अपने चरम पर होगा, तो भगवान विष्णु कल्कि अवतार लेंगे। जब भगवान विष्णु धरती पर कल्कि अवतार में आएंगे, तो उस दौरान समय कलयुग और सतयुग के बीच का संधिकाल होगा। बताया जाता है कि भगवान कल्कि पूरी 64 कलाओं में माहिर होंगे। कल्कि पुराण के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के सम्भल नामक स्थान पर विष्णुयशा नामक तपस्वी ब्राह्मण के घर श्रीहरि विष्णु भगवान कल्कि रूप में जन्म लेंगे। इस दौरान उनके गुरु भगवान परशुराम होंगे। बता दें कि परशुराम को भी भगवान श्रीहरि नारायण का अवतार माना जाता है और परशुराम को अमरता का वरदान प्राप्त है। भगवान परशुराम की सलाह पर कल्कि भगवान शिव की तपस्या पर उन्हें प्रसन्न करेंगे और दिव्य शक्तियां प्राप्त करेंगे। इन शक्तियों के माध्यम से भगवान कल्कि दुनिया से अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करेंगे।

कैसा होगा कल्कि अवतार

स्कंद पुराण के दसवें अध्याय में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सम्भल गांव में भगवान श्रीहरि विष्णु कल्कि रूप में जन्म लेंगे। वहीं अग्नि पुराण के 16वें अध्याय में भगवान कल्कि के अवतार का चित्रण भी मिलता है। इस चित्रण के मुताबिक कल्कि अवतार भगवान राम से मिलता जुलता होगा। उनके हाथ में तीर–कमान होगा और वह घोड़े की सवारी करेंगे। कल्कि पुराण में इस बात का वर्ण मिलता है कि सफेद घोड़े पर सवार होकर और हाथ में चमचमाती तलवार लिए कल्कि भगवान धरती से पापियों का अंत करेंगे।

चार भाई होंगे कल्कि भगवान

कल्कि भगवान विष्णु के 10वें अवतार होंगे और बताया जाता है कि वह चार भाई होंगे। अपने चारों भाइयों के साथ मिलकर

भगवान कल्कि धरती पर धर्म की स्थापना करेंगे। कल्कि के भाइयों के नाम सुमन्त, प्राज्ञ और कवि होगा। यह सभी भाई धर्म स्थापना में भगवान कल्कि की मदद करेंगे।

मां वैष्णों से करेंगे विवाह

इसके साथ ही धार्मिक ग्रंथ में भगवान कल्कि की पत्नी का भी उल्लेख मिलता है। बताया जाता है कि भगवान कल्कि मां लक्ष्मी के एक रूप श्पद्माश से विवाह करेंगे। श्रीमद्भागवत पुराण के मुताबिक भगवान श्रीराम से विवाह करने के लिए मां वैष्णों देवी कई युगों से कठिन तपस्या कर रही हैं। ऐसे में भगवान विष्णु कल्कि रूप में मां वैष्णों देवी की तपस्या को पूर्ण कर उनसे विवाह करेंगे। कल्कि पुराण और स्कंद पुराण दोनों में ही इस बात का वर्णन मिलता है कि मां वैष्णों देवी राम अवतार के समय से ही तपस्या में लीन हैं।

युवा गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भी निभाई गेम चेंजर की भूमिका

टी–20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने में भारत के गेंदबाजों का सबसे बड़ा योगदान रहा है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तो मैन ऑफ द टूर्नामेंट बने।

हर ओर उनके नाम की चर्चा है। बुमराह का डंका बज रहा है, लेकिन बुमराह की चकाचौंध में उनके साथी गेंदबाज अर्शदीप सिंह का योगदान कहीं खो सा गया है। अर्शदीप सिंह टी–20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए गेंदबाजी की शुरुआत कर रहे थे। वर्ल्ड कप में उन्होंने सर्वाधिक 17 विकेट भी लिए। हालांकि, जसप्रीत बुमराह के मुकाबले वो थोड़े महंगे साबित हुए, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कांटे के मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने गेम चेंजर की भूमिका निभाई है। पूर्व फौजी के बेटे अर्शदीप सिंह के आगे एक लंबी पारी है। टी–20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को जब 12 गेंदों पर मात्र 20 रनों की जरूरत थी तो कप्तान रोहित शर्मा ने गेंद अर्शदीप सिंह के हाथों में थमाई। उस समय डेविड मिलर भी एक छोर पर खड़े थे, लेकिन अर्शदीप सिंह की पैनी गेंदों ने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और डेविड मिलर को कोई मौका नहीं दिया। 19वें ओवर में मात्र चार रन दक्षिण अफ्रीका बना सका। यदि अर्शदीप का यह ओवर यदि महंगा साबित होता तो टीम इंडिया के लिए बेहद मुश्किल हो जाती। फाइनल में अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में मात्र 20 रन देकर दो विकेट लिए। ये दोनों विकेट ही बेहद अहम थे। मैच के तीसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम और 13वें ओवर में खतरनाक दिख रहे क्विंटन डी कॉक को पवेलियन भेजा।

अर्शदीप के जीवन पर एक नजर

5 फरवरी 1999 को मध्य प्रदेश के गुना शहर में जन्मे अर्शदीप सिंह के पिता केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में कार्यरत थे। 25 साल सीआईएसएफ में सर्विस करने के बाद वो परिवार के साथ चंडीगढ़ के करीब पंजाब में खरड़ चले आए। यहां अर्शदीप ने पड़ोस के बच्चों के साथ गली क्रिकेट खेलना शुरू किया। 16 साल की आयु में पिता ने उन्हें चंडीगढ़ की जसवंत राय क्रिकेट अकादमी में दाखिला दिला दिया। अर्शदीप भी अपने पिता के अरमानों पर खरे उतरे और उनका वर्ष 2018 में भारत की अंडर–19 क्रिकेट वर्ल्ड कप टीम में सिलेक्शन हुआ। उस वर्ष भारत में यह वर्ल्ड कप जीता था। वर्ष 2018 में वो पंजाब के लिए अंडर–19 क्रिकेट टीम में भी सिलेक्ट हुए और सीके नायडू ट्रॉफी में खेले। राजस्थान अंडर–19 टीम के खिलाफ उन्होंने एक पारी में 8 विकेट लिए, जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल थी। अर्शदीप की प्रतिभा को पहचाते हुए वर्ष 2019 में उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम किंग्स इलेवन पंजाब ने 20 लाख रुपए में खरीद लिया।

नवंबर 2022 में वनडे मैच खेला

अर्शदीप सिंह अधिक दिनों तक टीम इंडिया के सिलेक्टर्स की नजरों से बच नहीं सके। जुलाई 2022 में उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी–20 मैच खेलने का मौका मिला और जल्द उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ नवंबर 2022 में वनडे मैच खेल लिया। अर्शदीप सिंह अब तक छह वनडे इंटरनेशनल मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं और टी–20 में उन्होंने 52 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। अभी समाप्त हुए टी–20 वर्ल्ड कप में अर्शदीप सिंह ने इंग्लैंड को छोड़कर सभी टीमों के खिलाफ विकेट लिए हैं। टी–20 वर्ल्ड कप में उनके सर्वाधिक 17 विकेट हैं। अर्शदीप सिंह के टीम इंडिया में आने से जसप्रीत बुमराह को एक अच्छा सहयोगी मिल गया है। खासकर सीमित ओवर्स में अर्शदीप सिंह बेहद प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। मात्र 25 वर्षीय अर्शदीप सिंह के आगे लंबा करियर है और उनके लिए अच्छी बात है कि वो थोड़ा बल्ला भी चला लेते हैं। टी–20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के 119 रनों में 9 रन अर्शदीप के भी थे। यदि अपनी बल्लेबाजी को वो थोड़ा सा सुधार लें तो अच्छे ऑलराउंडर साबित हो सकते हैं। अभी उन्हें भारत की वनडे और टी–20 टीम में ही मौका मिला है। जिस रफ्तार से अर्शदीप सिंह की काबिलियत उभरकर सामने आ रही है तो हम उन्हें बहुत जल्द भारतीय टेस्ट टीम में देख सकते हैं। साफ है, यह सरदार टीम इंडिया के लिए बेहद असरदार साबित होने जा रहा है।

एथनिक लुक में गजब की बला लगीं साक्षी मलिक, कातिलाना अदाएं देख फैंस हुए मंत्रमुग्ध

बॉलीवुड की बोल्ड और खूबसूरत एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपनी हॉटनेस के कारण इंटरनेट पर छाई हुई रहती हैं। उनका स्टाइलिश अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने लेटेस्ट ट्रेडिशनल लुक में फोटोज शेयर की हैं। उनके इस लुक ने एक बार फिर से इटरनेट पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग अंदाज से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से एक बार फिर से फैंस के बीच कहर बरपा दिया है। उनका ये हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। साथ ही उनका कातिलाना अंदाज लोगों के बीच थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अभिनेत्री साक्षी मलिक ने फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की फ्लोरल लुक में साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही हैं। खुले बाल,कानों में इयररिंग्स और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस साक्षी मलिक अपनी फिटनेस के लिए फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनकी फिटनेस बेहद कमाल की है। ये ही नहीं एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड भी करता है। साक्षी मलिक सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। साथ ही इंस्टा पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में हार के बाद पद छोड़ना चाहते थे राहुल द्रविड़, रोहित के एक फोन कॉल से बदल...

भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब 29 जून को अपने नाम र दिया है। लेकिन अभी तक इसकी खुशी टीम इंडिया के साथ–साथ पूरे देशवासियों के चेहरे पर नजर आ रही है। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी इस टूर्नामेंट के साथ खत्म हो गया है। अब वह भारतीय टीम के हेड कोच नहीं रहे हैं। बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि, पिछले साल ऑस्ट्रेलिया से वनडे वर्ल्ड कप 2023 हारने के बाद वो अपना पद छोड़ना चाहते थे, लेकिन रोहित शर्मा की एक कॉल ने सबकुछ बदल दिया। बीसीसीआई टीवी पर राहुल द्रविड़ ने रोहित शर्मा को लेकर कहा कि, थैंकू यू रो, मुझे नवंबर में वो कॉल करने के लिए और मुझे रुकने के लिए कहने के लिए। मुझे लगता है कि टीम इंडिया में हर एक शख्स के साथ काम करना गर्व की बात है, मैं हर एक शख्स के लिए शुक्रगुजार हूं लेकिन रो तुमको शुक्रिया अपना इतना समय देने के लिए एक कप्तान के तौर पर। कई बार हमने बात की, हमनें कई चीजों पर चर्चा की, कई बातों पर हम सहमत थे, कई बातों पर हम एक– दूसरे से सहमत नहीं थे, लेकिन इन सबके बाद तुमको बहुत–बहुत शुक्रिया। इस ग्रुप में हर शख्स को जानना काफी शानदार रहा। राहुल द्रविड़ खिलाड़ी के तौर पर वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए हैं, लेकिन क्रिकेटर के तौर पर उन्होंने टीम इंडिया के लिए जो कुछ किया है, उसे हमेशा याद रखा जाएगा। टीम इंडिया ने ये जीत अपने हेड कोच को भी डेडिकेट की। टीम इंडिया की वर्ल्ड कप जीत पर जिस तरह से राहुल द्रविड़ ने एग्रेशन दिखाया था, उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया था। राहुल द्रविड़ आमतौर पर शांत रहना पंद करते हैं, लेकिन इस जीत ने उनके अंदर के बच्चे को भी जगा दिया था। और वो किसी 5 साल के बच्चे के तरह की चिल्लाते हुए और खुशी मनाते हुए दिखे थे।

महाराष्ट्र पासपोर्ट रैकेट मामले में सीबीआई ने की छापेमारी, 1.59 करोड़ रुपये जब्त

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को एक पासपोर्ट एजेंट के घर और दफ्तर पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में टीम ने 1.59 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। सीबीआई ने यह छापेमारी पिछले हफ्ते पकड़े गए इस बड़े घोटाले की जांच के सिलसिले में की है। छापेमारी में पांच डायरियां और डिजिटल गैजेट भी बरामद हुए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। सीबीआई ने पिछले वीकेंड महाराष्ट्र में 33 स्थानों पर छापेमारी की और रिश्वत के बदले संदिग्ध पासपोर्ट जारी करने के कथित रैकेट में 32 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। सीबीआई ने शिकायतों के बाद नासिक के अलावा मलाड और लोअर परेल स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) के 14 पासपोर्ट विभाग अधिकारियों के खिलाफ मुंबई तथा नासिक में 12 केस दर्ज किए और मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है उनमें पासपोर्ट सेवा केंद्रों के 14 पासपोर्ट सहायक और वरिष्ठ पासपोर्ट सहायक शामिल हैं। इनके अलावा शेष 18 एजेंट/दलाल हैं। यह सभी भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त हैं। आरोपी एक–दूसरे के साथ संपर्क में थे।

उन्होंने उनके साथ मिलकर कथित रूप से अपर्याप्त/अधूरे दस्तावेजों के साथ संदिग्ध पासपोर्ट जारी करवाने या पासपोर्ट आवेदकों के व्यक्तिगत डिटेल में हेरफेर करने की साजिश रची थी। सीबीआई टीम ने विदेश मंत्रालय के पासपोर्ट सेवा प्रोग्राम डिवीजन के विजिलेंस अधिकारियों और क्षेत्रीय पासपोर्ट दफ्तर (मुंबई) के अधिकारियों के साथ मिलकर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान टीम ने संदिग्ध अधिकारियों के कार्यालय, डेस्क, मोबाइल और अन्य सामानों की जांच की, जिसमें आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ। दस्तावेजों, सोशल मीडिया चौट और यूपीआई पहचान गतिविधियों के विश्लेषण से कुछ अधिकारियों की ओर से संदिग्ध लेनदेन सामने आए, जो अपर्याप्त, नकली या जाली दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी करने के लिए एजेंटों/दलालों के जरिए रिश्वत की मांग और मंजूरी का संकेत देते हैं।

पुणे में जीका वायरस के 6 केस आए सामने, संक्रमितों में दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में जीका वायरस के केस मिलने से हड़कंप मच गया है। पुणे में जीका वायरस संक्रमण के छह मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जीका वायरस के इन 6 मरीजों में से दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। दरअसल, जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। मच्छर की इसी प्रजाति को डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमण फैलाने के लिए भी जिम्मेदार माना जाता है। अधिकारियों ने कहा कि एरंडवाने इलाके की 28 वर्षीय गर्भवती महिला में जीका वायरस का संक्रमण पाया गया। शुक्रवार को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। 12 सप्ताह की गर्भवती एक अन्य महिला में भी सोमवार को संक्रमण पाया गया। दोनों महिलाओं की हालत अभी ठीक है और उनमें कोई लक्षण नहीं है। बता दें कि गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस के कारण भ्रूण में माइक्रोसेफेली हो सकता है। जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला एरंडवाने में सामने आया, जहां 46 वर्षीय डॉक्टर की रिपोर्ट सकारात्मक आई थी। उसके बाद उनकी 15 वर्षीय बेटी भी इस संक्रमण से संक्रमित पाई गई थी।इसके बाद मुंधवा से दो मामले सामने आए थे, जिसमें 47 वर्षीय एक महिला और 22 वर्षीय एक पुरुष जीका वायरस संक्रमित था। जीका वायरस आमतौर पर मच्छर के काटने से ही होता है। जीका वायरस एडीज मच्छर में पाया जाता है। अगर कोई लक्षण दिखता है तो यह संक्रमण के 2–14 दिनों के बीच दिखता है। एक सप्ताह के अंदर कुछ लक्षण दिखने लगते है।आमतौर पर जीका वायरस का संक्रमण होने के बाद मरीज में हल्का बुखार, स्किन पर रैशेज, जोड़ों में दर्द, खासकर हाथ और पैर के ज्वांट में दर्द और आंखों में लालीपन आ जाता है। इसके अलावा कुछ रोगियों में जीका वायरस संक्रमण के बाद मसल्स पेन, सिर दर्द, आंखों में दर्द, थकान, असहज महसूस होना और पेट में भी दर्द होता है।

इस हफ्ते खुलेंगे 2,700 करोड़ रुपये के आईपीओ, दो कंपनियों की लिस्टिंग

मुंबई। आईपीओ बाजार में तेजी बनी हुई है। एक के बाद एक कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इस हफ्ते मेनबोर्ड कैटेगरी में एमक्योर फार्मास्युटिकल्स और बंसल वायर इंडस्ट्रीज का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आ रहा है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 जुलाई को आम जनता के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 1,952 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह आईपीओ फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण होगा। इस आईपीओ में 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 1,152 करोड़ रुपये ओएफएस होगा। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई तक नाम निवेशकों के लिए खुलेगा। इसका प्राइस बैंड 960 रुपये से लेकर 1,008 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इसका लॉट साइज 14 शेयरों का तय किया गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हो सकती है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स, शार्क टैंक में जज रह चुकीं नमिता थापर से जुड़ी कंपनी है। कंपनी को 1981 में स्थापित किया गया था। कंपनी फार्मा सेक्टर में कार्य करती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज का भी आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई के बीच खुलेगा। इस आईपीओ का इश्यू साइज 745 करोड़ रुपये का होगा। यह पूरा आईपीओ फ्रेश इश्यू होने वाला है। इसमें 2.91 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इसका लॉट साइज 58 शेयरों का रखा गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंज पर हो सकती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज एक स्टेनलेस स्टील कंपनी है। इसकी स्थापना 1985 में हुई थी। कंपनी हाई कार्बन स्टील वायर, लो कार्बन स्टील वायर और स्टेनलेस स्टील वायर सेगमेंट में कार्य करती है। कंपनी करीब 3,000 अलग–अलग तरह के स्टील वायर बनाती है। वित्त वर्ष 2023–24 में कंपनी की आय 2,470 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान कंपनी को 78.80 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मेनबोर्ड कैटेगरी में एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड और व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड के आईपीओ की लिस्टिंग इस हफ्ते बीएसई और एनएसई पर होगी।

क्या हिन्दू भारत में केवल गाली खाने और जलालत झेलने के लिए है

जबसे हम जानने लायक हुए है तबसे लेकर अब तक हिन्दुओं को सिर्फ मरते गाली खाते और जलालत झेलते ही देखा और सुना है। उसके पहले का इतिहास भी जब पढ़ते हैं तो पाते हैं कि सबसे अधिक अत्याचार यदि किसी धर्म के साथ हुआ है तो वह है हिन्दू पूरे विश्व में हिन्दू ही था। मगर आज सिकुड़ते सिकुड़ते भारत और नेपाल तक ही सीमित रह गया है यहाँ भी वह सत्तालोभियों के चलते सुरक्षित नहीं है। खास करके भारत मे।

भारत को गुलामी से आजाद करवाने के लिए तमाम हिन्दुओं ने बलिदान दिया। यह सोंचकर कि आजादी के बाद हम सब सुखी हो जायेंगे। मगर उनकी यह धारणा सत्तालोभियों ने मटियामेट कर दिया। हिन्दू हिन्दुस्तान में ही दोयम दर्जे का होकर रह गया है, आजादी के बाद यदि किसी धर्म के साथ सबसे अधिक अत्याचार और धोखा हुआ है तो वह हिन्दू है, जिसकी मर्जी जब कहती है हिन्दू देवी देवताओं को अभिव्यक्ति की आजादी का सहारा लेकर गरिया देता है, जब मर्जी करे हिन्दू को आतंकी कह देता है, जब मर्जी करती है हिन्दू को हिंसक कह देता है, हिन्दू देवी देवताओं को भी हिंसक कह देता है, कोई हिन्दू देवी देवताओं की नंगी तस्वीर बनाकर बड़के चित्रकार का ईनाम हांसिल कर लेता है, और हम सभी हिन्दू ऐसे ही बेलगाम बदजात बेहूदे लोगों के लिए नपुंसकों की तरह ताली बजाते हैं, ऐसे दुष्ट धुर्त लोगों को चुनकर संसद और विधानसभा में भेजते हैं, जो हम हिन्दुओं की हर जगह बखिया उधेड़ने में जरा भी संकोच नहीं करता।

आजादी से लेकर आज तक कभी भी अन्य किसी भी धर्म के देवी देवताओं को व उनके धर्मगुरुओं को गाली खाते नहीं देखा गया होगा, जितना कि हिन्दू देवी देवता व धर्मगुरुओं को गाली दी जा रही है, किसी भी नेता में कलाकार में चित्रकार में जरा भी साहस नहीं है कि मुस्लिम के बारे में बोल दे, उनके खुदा के बारे में बोलना तो दूर की बात है, यदि किसी ने साहस दिखाया तो उसका शर तन से जुदा हो के नारे लगने लगते हैं, मस्जिदों से मौलवी फतवा जारी करने लगते हैं, इनाम घोषित होने लगते हैं, वहीं हिन्दू धर्म के लिए व हिन्दू देवी देवताओं को कुछ भी कह दो, आपको इसके पारितोषिक मिलता है, हमारे यहाँ कई राजनीतिक पार्टियाँ मंत्री तक बना दे रही है, हिन्दू को गरियाने वालों को विगत चुनाव में यह देखने सुनने को खूब मिला, एक पुरानी राष्ट्रीय पार्टी का मुखिया तो पानी पी पी कर गरिया रहा है, फिर भी 45% हिन्दू उसी को चुने, कुछ तो लालच में कुछ चमचई में, लेकिन चुने उसी को जो उनको ही भला बुरा कह रहा था, वही नेता अब संसद में बिना डिगे हिन्दुओं को गरियाने में पूरी शिद्दत से लगा है, हिन्दू देवी देवता को अपमानित कर रहा है। संविधान की अवहेलना कर रहा है और वहाँ उपस्थित इंडी गठबंधन के हिस्सेदार हिन्दू नेता नपुंसकों की तरह ताली बजा रहे हैं, स्पीकर महोदय सिर्फ शांत करा रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट मौन है यही यदि अन्य धर्म के लिए बात कही गई होती तो अब तक देश जला दिया जाता और कहने वाले का शर तन से जुदा हो मस्जिदों से फतवा जारी हो गया होता।द्यमगर हिन्दू धर्म को कितना भी गरियाओ, जलील करो, किसी को भी रत्ती भर भी फरक नहीं पड़ता इसलिए कहना पड़ रहा है कि क्या हिन्दू भारत में केवल गाली खाने,मरने व जलालत झेलने के ही लिए है।

—पं.जमदग्निपुरी

दोस्तों की डोर बेल दबाते रहिय

पुराने साथियों को सताते रहिये,
प्रेम और क्रोध भी जताते रहिये।
कभी हाले दिल ही बताते रहिये,
कभी अपनी खबर सुनाते रहिये।
छठे छमाही समय निकाल कर,
दोस्तों की डोर बेल दबाते रहिये।

कभी अपने घर की देहरी लांघ,
दोस्तों के चक्कर लगाते रहिये।
अपने छोटे दरबे के बाहर झांक,
साथ में सुख दुःख सुनाते रहिये।
जब मन अनमना सा महसूस करे,
दोस्तों की डोर बेल दबाते रहिये।

कभी रखके हाथ उनके कंधों पर,
दोस्ती का अहसास कराते रहिये।
हरदम औपचारिकता में न जियें,
बिना मतलब भी बतियाते रहिये।
जब करने को कोई काम न सूझे,
दोस्तों की डोर बेल दबाते रहिये।

टूटे दिलों को आस दिलाते रहिये।
किस्मत के रूठों को हंसाते रहिये।
जीवन से मायूस हो चुके दिलों में,
आशाओं के दीपक जलाते रहिये।
जब दिल्लगी करने का मन करे,
दोस्तों की डोर बेल दबाते रहिये।

ऐसा न हो कि मन में पछताते रहें,
वक्त को भी मुट्ठी में फंसाते रहिये।
मिले जब भी तुमको खाली समय,
प्रियजनों को गले से लगाते रहिये।
करने को कुछ भी न सूझ रहा हो,
दोस्तों की डोर बेल दबाते रहिये।
ज्यादा बोझ लेकर चलने वाले
अक्सर डूब जाते हैं,फिर चाहे वह बोझ..
क्रोध का हो,बदले का हो,
या..अभिमान का .!

पत्रकार अमित सिंह टाक

कांग्रेस नेता अबु सुफियान अंसारी का दुःखद निधन

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल के उपाध्यक्ष अबु सुफियान अंसारी का दुःखद निधन हृदयाघात के कारण हो गया । उनका अंतिम संस्कार आज दिनांक 4.7.2024 , दोपहर 2 बजे रफी नगर कब्रिस्तान, शहनाई हाल के पास, गोवंडी प. पर बेटे फारूख अंसारी द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. बाबुलाल सिंह, अब्राहम राय मणी (अध्यक्ष ई. मुंबई जि.कांग्रेस), कांग्रेस नेता विकास तांबे, सुनील येवले, महाराष्ट्र कांग्रेस उत्तरभारतीय सेल के पदाधिकारी फखरूद्दीन शेख, अहमद खान, शेर मोहम्मद खान, अफाक शेख (ब्लाककांग्रेस अध्यक्ष), समता हॉकर्स युनियन के अध्यक्ष शरीफ खान,फिरोज खान,शाहिद अंसारी, एड. इब्राहिम शेख, अब्दुल कलाम, सहित सैकडों लोग उपस्थित रहे। स्व.अंसारी सामाजिक परिवर्तन फाउंडेशन, अ.भा.भ्रष्टाचार उन्मूलन संगठन, अंजुमन बहेरुल उलूम हाईस्कूल, भीमशक्ती रिक्शा यूनियन से सक्रिय रूप से जुडे हुए थे।

परिष्कार पत्रिका पुस्तक लोकार्पण, विषेशांक विमोचन एवं विशिष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह 2024

वतन युवाओं के हवाले पुस्तक का लोकार्पण एंव विशिष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

परिष्कार पत्रिका जयपुर। परिष्कार पत्रिका के तत्वावधान में वतन युवाओं के हवाले स्मारिका २०२४ का लोकार्पण, परिष्कार पत्रिका एज्यूकेशन विशेषांक का विमोचन और विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभावान छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों का सम्मान समारोह ओडिटोरियम साईंस पार्क शास्त्रीनगर जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माईकल कैथलीनों कैथलीनो आई फाउंडेशन, अमर सिंह निर्वाण राष्ट्रीय संस्था अजमेर, बाबूलाल डाबी पूर्व महामंत्री राजस्थान धानका समाज जयपुर, रामपाल मावर निदेशक रेवारराम कंस्ट्रक्शन, संजय सैनी निदेशक जय मां सरस्वती विद्यपीठ, रवि वर्मा एडवोकेट निदेशक अम्बेडकर विद्यालय थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रतिभा शर्मा, कल्पना बामिल, लक्षमण सिंह सीनियर, बसंत जैन, रामलाल पाराशर, मीना राजपूत, रॉय नाजरथ डीपीएस, मोनिका लोबो मस्कट, जुनिता वाज वाईस प्रिंसिपल नीरजा मोदी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिष्कार पत्रिका के निदेशक श्रवण सिंह किरार ने की। परिष्कार पत्रिका के तत्तवावधान में जयपुर गोआन एसोसिएशन, कैथलीनो आई फाउंडेशन, सरस्वती प्रिंटिग इंडस्ट्रीज, बैलेंस ब्रुंच के सहयोग से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षाविदों, मेघावी विद्यार्थी, समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक डेंजिल नाजरथ ने बताया कि कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन किया।

भोजपुरी पूर्णिका – आदमी के भलाई

जवन बाचल ओकरा अब बचवले में भलाई बा।
बितल के सोच बुरा सपना भुलवले में भलाई बा।

होखे वाला त हो गइल अब सांप के लकीर पिटा।
आजकल मत करा काम अब्बे निपटवले में भलाई बा।

रिश्ता नाता हित नाथ सब जरूरी बा कदर करा।
बिछडल यार रूठल प्यार के मनवले में भलाई बा।

इश्क मुश्क ओरी खांसी छिप ना सकेला कबों ।
राज दिल के पता न चले छुपवले में भलाई बा।

तकदीर पर भरोसा बा त तदबीर भी करे के पड़ी।
नसीब के भरोसे मत रहा हाथपैर डोलवले में भलाई बा।

श्याम कुंवर भारती (राजभर)
बोकारो,झारखंड

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।